प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं अप्रैल में प्रस्तावित हैं।

प्रक्रिया में प्रवेश परीक्षा में पास छात्रों को मेरिट के आधार पर

विद्यालय में कक्षा 12 तक शिक्षा व खाना रहना निशुल्क है।

पुनर्वास विश्वविद्यालय ने देश भर में प्राप्त किया 162वां स्थान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2025 में देशभर में 162 वां स्थान हासिल किया है जबकि ओवर ऑल रिसर्च आउटपुट रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। 1 जनवरी से 31 दिसम्बर 2024 की अवधि में शोध डेटा के आधार पर यह रैंकिंग जारी की गई है। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय प्रदेश का एक मात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसे इस रैंकिंग में पहली बार स्थान मिला है।

पुनर्वास विश्वविद्यालय ने देशभर में हुए सर्वे के बाद देश के 389 उच्च शिक्षा संस्थानों में 215वां और

» नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2025 में ओवर ऑल रिसर्च आउटपुट में मिला दूसरा स्थान

विश्वविद्यालयों में 162वां स्थान प्राप्त किया है। रसायन विज्ञान श्रेणी में देश में विश्वविद्यालय को 139वां और बायोलॉजिकल साइंस में 59वां स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि ये उपलब्धियां हमारे संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम हैं। शोध संस्कृति और नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने हमें राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है। मेरा यह प्रयास है सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में यह विश्वविद्यालय दिव्यांगता के क्षेत्र मंय सेंटर फार एक्सीलेंस बने।

इन संस्थानों को मिली रैंकिंग

डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय	-162
केजीएमयू	-158
एसजीपीजीआई	- 65
काशी हिंदू विश्वविद्यालय	- 24
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय	- 89

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में शकुंतला विवि, केजीएमयू-पीजीआई को स्थान

लखनऊ,कार्यालय संवाददाता। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय को नेचर इंडेक्स 2025 रैंकिंग में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय को नेचर इंडेक्स में162 वां स्थान एवं ओवरऑल रिसर्च आउटपुट में दूसरा स्थान मिला है। पुनर्वास विश्वविद्यालय नेचर इंडेक्स में पहली बार स्थान पाने में कामयाब हुआ है। सभी संस्थानों में केजीएमयू को 158 तथा एसजीपीजीआई को 65वां स्थान मिला है।

162 वां स्थान रैंकिंग में शकुंतला मिश्रा विवि को

139 वां स्थान रसायन विज्ञान श्रेणी में

59 वां स्थान बायोलॉजिकल साइंस में

मेडिकल विवि और संस्थानों में

158 वीं रैंक केजीएमयू को मिली

65 वीं रैंक पीजीआई को मिली

"यह उपलब्धियां हमारे संकाय सदस्यों, शोध कर्ताओं और छात्रों की कड़ी मेहनत व समर्पण का परिणाम हैं। शोध संस्कृति और नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने हमें राष्ट्रीय- अंतर राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है।

प्रो. संजय सिंह, कुलपति, पुनर्वास विवि

नेचर इंडेक्स रैंकिंग

नेचर इंडेक्स एक वैश्विक मानक है, जो प्राकृतिक विज्ञानों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों को ट्रैक करता है। एक जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2024 की अवधि में शोध डेटा के आधार पर यह रैंकिंग जारी की गई।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में लखनऊ के डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, केजीएमयू तथा एसजीपीजीआई समेत देश के 389 उच्च शिक्षा संस्थान शामिल थे। ओवरऑल रैंकिंग जिसमें सभी संस्थान शामिल हैं उसमें शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय को 215 वां और विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 162वां स्थान मिला है। वहीं रसायन विज्ञान श्रेणी में पुनर्वास विवि को 139वां और बायोलॉजिकल साइंस में 59वां स्थान हासिल किया है।

कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि मेरा यह प्रयास है सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में यह विश्वविद्यालय दिव्यांगता के क्षेत्र में सेंटर फार एक्सीलेंस बने। इस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय सिर्फ शिक्षा का केंद्र न हो, बल्कि उस समावेशी भाव का केंद्र हो।

यूपी के कई विश्वविद्यालयः दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने संस्थानों की श्रेणी में 83वां तथा विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 37वां स्थान हासिल किया है। वहीं लखनऊ के तीन स्थानों को नेचर इंडेक्स रैंकिंग में जगह मिली है। शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय को 162वां, मेडिकल विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों में केजीएमयू को 158वां, एसजीपीजीआई की 65वीं रैंक है। इस रैंकिंग में राज्य के दो केंद्रीय विश्वविद्यालय भी शामिल हैं। बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी को 24वीं तथा अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को 89वीं रैंक मिली है।

अमर उजाला 7

पहली बार नेचर इंडेक्स रैंकिंग में पुनर्वास विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने पहली बार नेचर इंडेक्स रैंकिंग में जगह बनाई है। विश्वविद्यालयों की श्रेणी में उसे 162वां स्थान मिला है, जबकि ओवरऑल रिसर्च आउटपुट में दूसरा स्थान मिला है।

एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 की अवधि में शोध डाटा के आधार पर यह रैंकिंग जारी हुई है। पुनर्वास विश्वविद्यालय ने भारत के सभी 389 उच्च शिक्षण संस्थानों में 215वां और विश्वविद्यालयों में 162वां स्थान हासिल किया है। रसायन विज्ञान श्रेणी में देश में विश्वविद्यालय को 139वां और बायोलॉजिकल साइंस में 59वां स्थान मिला है।

विश्वस्तर पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनेगा विवि : पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि समूचे विश्व में यह विश्वविद्यालय दिव्यांगता के क्षेत्र में सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनेगा। इसके लिए तैयारियां जारी हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य है- संवेदना, सेवा और सहयोग। हम सभी को इस बड़े लक्ष्यों को हासिल करना है।

162 वां स्थान मिला विवि की श्रेणी में

2 स्थान मिला ओवरऑल रिसर्च आउटपुट में

लखनऊ विश्वविद्यालय को नहीं मिली जगह

- नैक से ए डबल प्लस रैंक हासिल करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय नेचर इंडेक्स रैंकिंग में स्थान नहीं बना पाया है, जबकि विवि प्रशासन अपनी ओर से बेहतरी के तमाम दावे करता है।

"ये उपलब्धियां हमारे संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों की कड़ी मेहनत का परिणाम हैं। शोध संस्कृति और नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने हमें राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है। – प्रो. संजय सिंह, कुलपति, पुनर्वास विश्वविद्यालय

Trust yourself. You know more than you think yo

नेचर इंडेक्स रैंकिंग: एसएमयू ने कब्जाई 162वीं पोजीशन

GOOD NEWS

ओवरआल रिसर्च आउटपुट में विश्वविद्यालय को द्वितीय स्थान

रैंकिंग एक जनवरी से 31 दिसंबर 2024 के बीच किए गए रिसर्च वर्क के आधार पर जारी की गई है

83 वें स्थान पर है गोरखपुर विश्वविद्यालय नेचर इंडेक्स रैंकिंग मे

राजधानी के संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट को रैंकिंग में मिला है 65वां स्थान

LUCKNOW (16 MARCH): डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2025 में 162वां स्थान हासिल किया है. ओवरआल रिसर्च आउटपुट में विश्वविद्यालय को दूसरा स्थान मिला. पहली बार इस राज्य विश्वविद्यालय को इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में स्थान मिली है.

रिसर्च वर्क के आधार पर

यह रैंकिंग एक जनवरी से 31 दिसंबर 2024 के बीच किए गए रिसर्च वर्क के आधार पर जारी की गई है. देश के 389 उच्च शिक्षा संस्थानों में डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय को 215वां स्थान और विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में 162वां स्थान मिला. रसायन विज्ञान श्रेणी में विश्वविद्यालय ने 139वें स्थान पर जगह बनाई है, जबकि बायोलाजिकल साइंसेज में इसे 59वां स्थान हासिल हुआ है. वीसी आचार्य प्रोफेसर संजय सिंह ने कहा कि यह सफलता हमारे संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्र-छात्राओं की कड़ी मेहनत व समर्पण का परिणाम है.

नेचर इंडेक्स एक वैश्विक रैंकिंग

नेचर इंडेक्स एक प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग प्रणाली है, जो शोध की गुणवत्ता और प्रभावशीलता के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन करती है. इसे वैज्ञानिक पत्रिका नेचर प्रकाशित करती है. यह मुख्य रूप से रिसर्च पेपर्स की संख्या और गुणवत्ता के आधार पर तैयार की जाती है. इस रैंकिंग मे केवल उन्ही शोध-पत्रों को शामिल किया जाता है जो उच्च प्रभाव वाले वैज्ञानिक पत्रिकाओं मे प्रकाशित होते हैं. पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि प्रदेश मे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के बाद, गोरखपुर विश्वविद्यालय नेचर इंडेक्स रैंकिंग मे 83वें स्थान पर है.

प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों की रैंकिंग

- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय- 24वां स्थान
- संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट- 65वां स्थान
- पं. दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय- 83वां स्थान
- अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय- 89वां स्थान
- इलाहाबाद यूनिवर्सिटी- 108वां स्थान
- वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी- 125वां स्थान
- केजीएमयू- 158वां स्थान
- एचबीटीयू कानपुर- 199वां स्थान
- चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ- 204 वां स्थान

एलयू को नहीं मिला स्थान

नैक ए डबल प्लस ग्रेड का दर्जा पा चुके लखनऊ विश्वविद्यालय को नेचर इंडेक्स रैंकिंग मे स्थान नही मिला है. विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि नेचर इंडेक्स मे आवेदन नही किया जाता, बल्कि यह पूरी तरह से विश्वविद्यालय के शोध प्रकाशनों की संख्या और गुणवत्ता पर आधारित होता है.

फटाफट खबरें

शकुंतला विवि को नेचर इंडेक्स रैंकिंग में 162वां स्थान

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊः** डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि को नेचर इंडेक्स रैंकिंग में 162वां स्थान मिला है। शकुंतला विवि ने पहली बार इस रैंकिंग में हिस्सा लिया है। देशभर के कुल 389 उच्च शिक्षण संस्थानों में विवि को ओवरऑल 215वीं रैंक मिली है, जबकि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में यह 162वें पायदान पर रहा है। वहीं, रिसर्च आउटपुट में विवि को दूसरा स्थान मिला है। इसी तरह रसायन विज्ञान की श्रेणी में 139वीं रैंक और बायॉलजिकल साइंस की श्रेणी में 59 वीं रैंक मिली है।

हेरिटेज वॉक में रेजिडेंसी के इतिहास से हुए रूबरू

■ **NBT न्यूज, लखनऊः** लखनऊ हेरिटेज वॉक के तहत रविवार को पर्यटकों को रेजिडेंसी की सैर करवाई गई। लखनऊ हेरिटेज वॉक के संस्थापक आतिफ अंजार ने किस्सों के जरिए रेजिडेंसी से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाएं बताईं। इसके साथ साल 1810 में बने तीसरे एंग्लिकन चर्च सेंट मैरी, कब्रिस्तान और यहां हुई खोदाई के बारे में बताया। वॉक में रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी मो. अहसान, ब्रिगेडियर राजीव, अनन्या, डॉ.अक्षय, प्रखर, अंशुमान, विवियन समेत कई लोग शामिल हुए।

नटखेड़ा बाजार से डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स हटाने की मांग

■ **NBT न्यूज, लखनऊः** आलमबाग नटखेड़ा बाजार में दुकानों के पास लगे

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में 162वां स्थान

डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय : ओवरआल रिसर्च आउटपुट में द्वितीय स्थान मिला

जागरण संवाददाता • लखनऊ: डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2025 में विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 162वां स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही, ओवरआल रिसर्च आउटपुट में विश्वविद्यालय को दूसरा स्थान मिला है। यह पहली बार है जब इस राज्य विश्वविद्यालय को इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में स्थान मिला है। प्रदेश के कुछ और विश्वविद्यालयों ने भी उपलब्धि हासिल की है।

यह रैंकिंग एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच किए गए शोध कार्यों के आधार पर जारी की गई है। रैंकिंग परिणाम के अनुसार देश के 389 उच्च शिक्षा संस्थानों में डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय को 215वां और विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में 162वां स्थान मिला है। रसायन विज्ञान श्रेणी में विश्वविद्यालय ने 139वें स्थान पर जगह बनाई है, जबकि बायोलाजिकल साइंसेज में इसे 59वां स्थान हासिल हुआ है। कुलपति आचार्य प्रोफेसर संजय सिंह ने कहा कि यह सफलता हमारे संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्र-छात्राओं की कड़ी मेहनत व समर्पण का परिणाम है। हमारा उद्देश्य केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में इस विश्वविद्यालय को दिव्यांगता के क्षेत्र में सेंटर फार एक्सीलेंस बनाना है। गौरतलब है कि यह विश्वविद्यालय दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने में अपनी अलग पहचान बना चुका है। अब शोध के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

नेचर इंडेक्स एक वैश्विक रैंकिंग : नेचर इंडेक्स एक प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग प्रणाली है, जो शोध की गुणवत्ता और प्रभावशीलता के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन करती है। इसे वैज्ञानिक पत्रिका नेचर प्रकाशित करती है। यह मुख्य रूप से रिसर्च पेपर्स की संख्या और गुणवत्ता के आधार पर तैयार की जाती है। इस रैंकिंग में केवल उन्हीं शोध-पत्रों को शामिल किया जाता है जो उच्च प्रभाव वाले वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं। पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि प्रदेश में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के बाद, गोरखपुर विश्वविद्यालय नेचर इंडेक्स रैंकिंग में 83वें स्थान पर है। राज्य विश्वविद्यालयों में शीर्ष स्थान है। यह रैंकिंग संस्थान के शोध कार्य की गहनता और गुणवत्ता को दर्शाती है। इसमें स्थान प्राप्त करने वाले संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिष्ठा और मान्यता मिलती है।

आनलाइन प्रशिक्षण आज से: लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र की ओर से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार और राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसीसीआइपी) के सहयोग से 'सार्वभौमिक मानव मूल्यों' पर छह दिवसीय आनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम सोमवार से शुरू होगा। यह कार्यक्रम 22 मार्च तक चलेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय को नहीं मिला स्थान

नैक ए डबल प्लस ग्रेड का दर्जा पा चुके लखनऊ विश्वविद्यालय को नेचर इंडेक्स रैंकिंग में स्थान नहीं मिला है।

विश्वविद्यालय को इस दिशा में अधिक शोध कार्य को बढ़ावा देने की जरूरत है ताकि भविष्य में उसे भी इस सूची में स्थान मिल सके। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि नेचर इंडेक्स में आवेदन नहीं किया जाता, बल्कि यह पूरी तरह से विश्वविद्यालय के शोध प्रकाशनों की संख्या और गुणवत्ता पर आधारित होता है।

अन्य विश्वविद्यालयों की रैंकिंग

- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू)- 24वां स्थान
- संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट (एसजीपीजीआइ) - 65वां स्थान
- पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय- 83 वां स्थान
- अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू)- 89वां स्थान
- इलाहाबाद यूनिवर्सिटी- 108 वां स्थान
- वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी- 125 वां स्थान
- किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू)- 158वां स्थान
- एचबीटीयू कानपुर- 199 वां स्थान
- चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ- 204 वां स्थान।

दैनिक जागरण

उप पंजाबी अकादमी का

DSMNRU grabs 162th place in Nature Index Ranking

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Dr Shakuntala Mishra National Rehabilitation University (DSMNRU) secured 162nd rank in Nature Index Ranking 2025 and second rank in overall research output in the ranking released recently.

The ranks were awarded to academic and research institutions across the globe based on their research data from Jan 1, 2024 to Dec 31, 2024.

"DSMNRU has secured 215th rank among all 389 higher education institutions in India and 162nd rank among universities. The university has secured 139th rank in the country in the Chemistry category and 59th rank in Biological Sciences," said DSMNRU vice-chancellor Prof Sanjay Singh.

He said that this prestigious ranking offers a comprehensive examination of the global landscape of research excellence, emphasizing high-quality publications by country, institution, and specialized field. This annual evaluation highlights the changing dynamics of scientific research worldwide

"We are happy to figure in this ranking along with four other prestigious institutions of the state: King George's Medical University, Banaras Hindu University, Sanjay Gandhi Postgraduate Institute of Medical Sciences and Aligarh Muslim University. This achievement is the result of hard work and dedication of our faculty members, researchers and students," said the VC.

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में 162वां स्थान

डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय : ओवरआल रिसर्च आउटपुट में द्वितीय स्थान मिला

जागरण संवाददाता • लखनऊ: डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2025 में विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 162वां स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही, ओवरआल रिसर्च आउटपुट में विश्वविद्यालय को दूसरा स्थान मिला है। यह पहली बार है जब इस राज्य विश्वविद्यालय को इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में स्थान मिला है। प्रदेश के कुछ और विश्वविद्यालयों ने भी उपलब्धि हासिल की है।

यह रैंकिंग एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच किए गए शोध कार्यों के आधार पर जारी की गई है। रैंकिंग परिणाम के अनुसार देश के 389 उच्च शिक्षा संस्थानों में डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय को 215वां और विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में 162वां स्थान मिला है। रसायन विज्ञान श्रेणी में विश्वविद्यालय ने 139वें स्थान पर जगह बनाई है, जबकि बायोलाजिकल साइंसेज में इसे 59वां स्थान हासिल हुआ है। कुलपति आचार्य प्रोफेसर संजय सिंह ने कहा कि यह सफलता हमारे संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्र-छात्राओं की कड़ी मेहनत व समर्पण का परिणाम है। हमारा उद्देश्य केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में इस विश्वविद्यालय को दिव्यांगता के क्षेत्र में सेंटर फार एक्सीलेंस बनाना है। गौरतलब है कि यह विश्वविद्यालय दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने में अपनी अलग पहचान बना चुका है। अब शोध के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

नेचर इंडेक्स एक वैश्विक रैंकिंग : नेचर इंडेक्स एक प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग प्रणाली है, जो शोध की गुणवत्ता और प्रभावशीलता के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन करती है। इसे वैज्ञानिक पत्रिका नेचर प्रकाशित करती है। यह मुख्य रूप से रिसर्च पेपर्स की संख्या और गुणवत्ता के आधार पर तैयार की जाती है। इस रैंकिंग में केवल उन्हीं शोध-पत्रों को शामिल किया जाता है जो उच्च प्रभाव वाले वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं। पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि प्रदेश में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के बाद, गोरखपुर विश्वविद्यालय नेचर इंडेक्स रैंकिंग में 83वें स्थान पर है। राज्य विश्वविद्यालयों में शीर्ष स्थान है। यह रैंकिंग संस्थान के शोध कार्य की गहनता और गुणवत्ता को दर्शाती है। इसमें स्थान प्राप्त करने वाले संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिष्ठा और मान्यता मिलती है।

आनलाइन प्रशिक्षण आज से: लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र की ओर से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार और राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसीसीआइपी) के सहयोग से 'सार्वभौमिक मानव मूल्यों' पर छह दिवसीय आनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम सोमवार से शुरू होगा। यह कार्यक्रम 22 मार्च तक चलेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय को नहीं मिला स्थान

नैक ए डबल प्लस ग्रेड का दर्जा पा चुके लखनऊ विश्वविद्यालय को नेचर इंडेक्स

रैंकिंग में स्थान नहीं मिला है। विश्वविद्यालय को इस दिशा में अधिक शोध कार्य को बढ़ावा देने की जरूरत है ताकि भविष्य में उसे भी इस सूची में स्थान मिल सके। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि नेचर इंडेक्स में आवेदन नहीं किया जाता, बल्कि यह पूरी तरह से विश्वविद्यालय के शोध प्रकाशनों की संख्या और गुणवत्ता पर आधारित होता है।

अन्य विश्वविद्यालयों की रैंकिंग

- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू)- 24वां स्थान
- संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट (एसजीपीजीआइ) - 65वां स्थान
- पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय- 83 वां स्थान
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू)- 89वां स्थान
- इलाहाबाद यूनिवर्सिटी- 108 वां स्थान
- वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी- 125 वां स्थान
- किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू)- 158वां स्थान
- एचबीटीयू कानपुर- 199 वां स्थान
- चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ- 204 वां स्थान।

पहली बार नेचर इंडेक्स रैंकिंग में पुनर्वास विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने पहली बार नेचर इंडेक्स रैंकिंग में जगह बनाई है। विश्वविद्यालयों की श्रेणी में उसे 162वां स्थान मिला है, जबकि ओवरऑल रिसर्च आउटपुट में दूसरा स्थान मिला है।

एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 की अवधि में शोध डाटा के आधार पर यह रैंकिंग जारी हुई है। पुनर्वास विश्वविद्यालय ने भारत के सभी 389 उच्च शिक्षण संस्थानों में 215वां और विश्वविद्यालयों में 162वां स्थान हासिल किया है। रसायन विज्ञान श्रेणी में देश में विश्वविद्यालय को 139वां और बायोलॉजिकल साइंस में 59वां स्थान मिला है।

विश्वस्तर पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनेगा विवि : पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि समूचे विश्व में यह विश्वविद्यालय दिव्यांगता के क्षेत्र में सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनेगा। इसके लिए तैयारियां जारी हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य है- संवेदना, सेवा और सहयोग। हम सभी को इस बड़े लक्ष्यों को हासिल करना है।

162 वां स्थान मिला विवि की श्रेणी में

2 स्थान मिला ओवरऑल रिसर्च आउटपुट में

लखनऊ विश्वविद्यालय को नहीं मिली जगह

- नैक से ए डबल प्लस रैंक हासिल करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय नेचर इंडेक्स रैंकिंग में स्थान नहीं बना पाया है, जबकि विवि प्रशासन अपनी ओर से बेहतरी के तमाम दावे करता है।

“ ये उपलब्धियां हमारे संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों की कड़ी मेहनत का परिणाम हैं। शोध संस्कृति और नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने हमें राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है। **– प्रो. संजय सिंह,** कुलपति, पुनर्वास विश्वविद्यालय

पुनर्वास विवि को मिला नेचर इंडेक्स रैंकिंग में 162 वां स्थान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2025 में 162 वां स्थान एवं ओवर ऑल रिसर्च आउटपुट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश का ऐसा राज्य विश्वविद्यालय है जिसे इस रैंकिंग में पहली बार स्थान मिला है। डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ ने नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2025 में 162 वां स्थान एवं ओवर ऑल रिसर्च आउटपुट में द्वितीय स्थान मिला। एक जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2024 की अवधि में शोध डेटा के आधार पर यह रैंकिंग जारी की गई। डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ ने भारत के सभी 389 उच्च शिक्षा संस्थानों में 215 वां और विश्वविद्यालयों में 162 वां स्थान प्राप्त किया है। रसायन विज्ञान श्रेणी में देश में विश्वविद्यालय को 139 वां और बायोलॉजिकल साइंस में 59 वां स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि ये उपलब्धियां हमारे संकाय सदस्यों, शोधकताओं और छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम हैं।

शोध संस्कृति और नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने हमें राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है। मेरा यह प्रयास है सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में यह विश्वविद्यालय दिव्यांगता के क्षेत्र में सेंटर फार एक्सीलेंस बने। इस दिशा में हम कृत संकल्पित होकर आगे बढ़ रहे हैं। ये विश्वविद्यालय सिर्फ शिक्षा का केंद्र न हो, बल्कि उस समावेशी भाव का केंद्र हो। इस विश्विद्यालय का आदर्श वाक्य है संवेदना, सेवा और सहयोग। हम सभी को एक मिलकर एक योजक की भूमिका का निर्वहन करते हुए बड़े लक्ष्यों को हासिल करना है।